विषय-सूची

अध्याय — **पेज**

प्रथम अध्याय— यात्रा—साहित्य 1—14

स्वरूप, उद्भव और विकास, यात्रा—साहित्य में राहुल जी का योगदान

द्वितीय अध्याय— जीवनी : व्यक्तित्व और कृतित्व 15—64

(क) जीवनी— वंश परिचय, जन्म, शिक्षा—दीक्षा, विवाह, पारिवारिक—जीवन, व्यवसाय,पर्यटन

(ख) व्यक्तित्व— आकृति, वेशभूषा, खान—पान।

प्रकृति— दृढ़ता, विनम्रता, नियमितता, व्यावहारिकता, अध्यवसाय और कर्मठता, जीवन्तता, साहसिकता, ज्ञानार्जन—वृत्ति, यायावरी वृत्ति, बौद्धिक वृत्ति, सुधारक वृत्ति, पुरातत्व एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति, परिवर्तनशीलता,साहित्यिक व्यक्तित्व का विकास

(ग) कृतित्व— सम्पूर्ण राहुल साहित्य, विषयानुसार वर्गीकरण, शोध सीमांए और आलोच्य विषय।

तृतीय अध्याय— **राहुल जी के यात्रा—साहित्य का परिचय** 65—81

तिब्बत में सवा वर्ष, मेरी यूरोप यात्रा, जापान, मेरी तिब्बत यात्रा, मेरी लद्दाख यात्रा, किन्नर देश में, राहुल यात्रावली, यात्रा के पन्ने, रूस में पच्चीस मास गढवाल, एशिया के दुर्गम भूखण्डों में, चीन में क्या देखा

भौगोलिक दृष्टि से वर्गीकरण

(अ) भारतीय

(ब) अभारतीय

चतुर्थ अध्याय– यात्रा–साहित्य के तत्त्वों के आधार पर मूल्यांकन तथा उनका समीक्षात्मक विवेचन 82–123

विषय–वस्तु, यायावरी, भाषा–शैली, उद्देश्य।

पंचम अध्याय– यात्रा–साहित्य की भाषा–शैली का विशद विवेचन 124–165

क) शब्द–योजना– तत्सम, तदभव, देशज, प्रान्तीय और विदेशी

ख) वाक्य–योजना– सरल, मिश्रित, देशकालानुसार, स्थानीय उर्दू एवं अंग्रेजी का प्रभाव, व्याकरण–दोष

ग) भाषा की शक्ति– मुहावरे, लोकोक्तियां, सूक्तियां, शब्द–शक्ति, गुण, अप्रस्तुत विधान

शैली–

क) वर्णनात्मक, संवेदना प्रधान, भाव प्रधान, चित्रात्मक

ख) विवेचनात्मक,चिन्तनप्रधान, आलोचनात्मक

ग) विश्लेषणात्मक

घ) सैद्धान्तिक

शैली में राहुल जी के व्यक्तित्व की झलक

षष्ठम अध्याय– जीवन दर्शन 166–189

क) राजनीतिक मान्यताएं– युगीन प्रभाव, गणतन्त्र, साम्यवाद में आस्था, समता का सिद्धान्त, आदर्श शासन व्यवस्था की परिकल्पना

ख) सामाजिक एवं सांस्कृतिक मान्यताएं–
सामाजिक वैषम्य, लोकजीवन के प्रति अनुराग, सांस्कृतिक उत्कर्ष की भावना
ग) धार्मिक मान्यताएं– धार्मिक विषमता, धर्म के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण, बौद्ध धर्म के प्रति पक्षपात
घ) साहित्यिक मान्यताएं–
साहित्य सम्बन्धी विचार–
अ) इतिहास
आ) समाज
इ) धर्म
भाषा सम्बन्धी विचार–
अ) भारतीय भाषाएं
आ) अभारतीय भाषाएं
इ) राष्ट्रभाषा–
राष्ट्रभाषा के समर्थक, व्याकरण में संशोधन एवं परिवर्तन की कामना, लिपि सम्बन्धी विचार– नागरी लिपि में सुधार की कामना

सप्तम अध्याय– उपसंहार 190 –196

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची 197–201